द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2023-2024**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त)
छन्दोऽलंकारमंजूषा
Course Title :

कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0 102
Course Code : UGST-102

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु
वैखानसाश्रि तरूणि तपोवनानि।
येष्वातिथेयपरमाः शमिनो भजन्ते,
नीवारमुष्टिपचना गृहिणो गृहाणि ।।

ख) यधेच्छा भोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्.गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसो योग्यमशनं
फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. लौकिकानां हि साधूनामथ वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

अथवा

ii. ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वा
परःसहस्राः शरदस्तपांसि।
एतान्यपश्यन्गुरवः पुराणाः
स्वान्येव तेजांसि तपोमयानि।

प्रश्न–3 महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 2

(क) यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः।

(ख) पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः।

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2

श्लेष, अनुप्रास, अतिशयोक्ति एवं उपमा

प्रश्न–6 अधोलिखित में से किसी दो छन्द का लक्षण स्पष्ट कीजिए।। 2

अनुष्टुप्, प्शस्थ, इन्द्रवज्रा, स्रनग्घरा, शिखरिणी।

प्रश्न–7 नायक के भेद स्पष्ट करते हुए, उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–8 निम्नलिखित श्लोक का संन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ बताइए। 2

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

प्रश्न–9 'उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' –की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 2